रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 24 सितम्बर, 2026

वर्ष 02 | अंक 227 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

आयुर्वेद है रोग से बचाव की जीवन पद्धतिः मुख्यमंत्री

● कहा-आहार-विचार और व्यवहार में संतुलन है स्वस्थ जीवन का आधार ● बताया-प्रदेश में स्थापित किए जा रहे हैं 9 नए आयुर्वेदिक महाविद्यालय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय योग और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति पुनः विश्व में प्रतिष्ठित हुई है। भारतीय संस्कृति और जीवनशैली में आयुर्वेद सदियों से समाहित है। हमारी रसोई की वस्तुएं और भोजन में मसाले भी आयुर्वेद पर आधारित हैं। भारतीय संस्कृति और वेदों के ज्ञान में सर्वे भवन्तु सुखिनः और वसुधैब कुटुम्बकम की भावना छिपी है। हम दुनिया के सुखी और स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं और पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखते हैं। आयुर्वेद एकमात्र पैथी है, जो इस सिद्धांत में विश्वास करती है कि स्वास्थ्य केवल रोग का उपचार नहीं, रोग से बचाव भी है। आयुर्वेद, आहार-विचार और व्यवहार में संतुलन रखना सिखाता है। इसमें बीमारी से पहले ही व्यक्ति को स्वस्थ रखना महत्वपूर्ण है। कोरोना काल में मानव जीवन की रक्षा में योग, प्राणायाम और आयुर्वेद ने अपनी सामर्थ्य सिद्ध की है। भारत का गौरवशाली अतीत पश्चिमी देशों में पुनः प्रतिष्ठित हो रहा है।



इस साल स्कॉटलैंड के एडिनबरा में दुनिया के सबसे पुराने सर्जिकल संस्थान रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स में शल्य क्रिया के जनक महर्षि सुश्रुत की प्रतिमा स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 तक आयुष का बाजार लगभग 3 बिलियन डॉलर था, जो अब बढ़कर 43 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। राज्य सरकार आयुर्वेद को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुष इंटर्न चिकित्सकों के स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग पर कहा कि इस विषय पर आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार से चर्चा उपरांत समुचित निर्देश दिए जा चुके हैं। शीघ्र ही इंटर्न चिकित्सकों को शुभ समाचार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

स्टेट कंपोजिट हर्बल गार्डन का हुआ लोकार्पण– मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुर्वेद दिवस पर प्रदेशवासियों को कई सौगातें प्रदान की। इसके अंतर्गत 184 करोड़ रुपए की लागत से बने 25 आयुष भवनों, अस्पतालों और महाविद्यालयों की सौगात प्रदेशवासियों को सौंपी। उन्होंने 4 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से बने 12 आयुष भवनो का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 179 करोड रुपए की लागत से 13 आयुष भवन चिकित्सालयों और आयुर्वेद महाविद्यालयों की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में 6 एकड़ क्षेत्र में बने स्टेट कंपोजिट हर्बल गार्डन का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय बहुल डिंडौरी जिले में आयुर्वेद को प्रोत्साहन देने के लिए स्थापित 102 करोड़ रुपए लागत के महाविद्यालय का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुष वेलनेस पर्यटन केंद्र के नामों का अनावरण किया, अब ये केंद्र आयुष आरोग्यम धाम के रूप में जाने जाएंगे।

आयुर्वेद प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाविद्यालय के रजत जयंती ऑडिटोरियम में भगवान धन्वंतरि जी की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इससे पहले परिसर में रक्त चंदन का पौधा रोपा तथा पारम्परिक चिकित्सा पद्धति से जनसामान्य को जोड़ने के लिए लगाई गई आयुर्वेद प्रदर्शनी का शुभारंभ कर विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन भी किया।

बीजेपी ने किया बड़ा संगठनात्मक बदलाव

● राज्य प्रभारियों और सह-प्रभारियों की नई नियुक्तियां



नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने बुधवार को सभी राज्यों में अपने नए प्रभारियों और सह प्रभारियों का ऐलान किया। पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से जारी लिस्ट के मुताबिक, स्मृति ईरानी को छत्तीसगढ़ और हरियाणा का प्रभारी बनाया गया है। राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड की जिम्मेदारी दी गई है। इस लिस्ट में उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के प्रभारियों के भी नाम है। इन तीनों राज्यों के प्रभारियों की नियुक्ति 18 अगस्त को ही कर दी गई थी।

लद्दाख में नेपाल जैसी 'बाढ़' का खतरा

● ग्लेशियर झील से हो रहा है रिसाव, तेजी से भी बढ़ी

अगर दबाव बढ़ा तो झील को तोड़कर निकालेंगे पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख के सबसे बड़े द्रंग-द्रुंग ग्लेशियर के मुहाने पर बनी झील से पानी का रिसाव शुरू हो गया है। बीते कुछ साल में झील तेजी से बढ़ी है। ऐसे में वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान के वैज्ञानिक जांस्कर में ग्लेशियर के पास ही कैंप कर इस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। वैज्ञानिक झील में पानी की



मात्रा, गहराई और ग्लेशियर के पिघलने की रफ्तार की रियल टाइम निगरानी कर रहे हैं। पानी बढ़ने से झील पर दबाव खतरनाक स्तर तक पहुंचा तो इसे सुरक्षित तरीके से तोड़कर अतिरिक्त पानी निकालने की भी तैयारी है।

लद्दाख और द्रंग-द्रुंग ग्लेशियर पर असर

लद्दाख का द्रंग-द्रुंग ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ रहा है, जिससे इसके मुहाने पर पानी जमा होकर एक बड़ी अस्थिर झील बन गई है। यह झील कमजोर पत्थरों और मलबे के सहारे टिकी है, जिससे इसके टूटने का डर लगातार बना रहता है। इसके अलावा पिघलती बर्फ से स्थानीय नदी तंत्र और जीव-जंतुओं के प्राकृतिक संतुलन पर भी बुरा असर पड़ रहा है। लद्दाख जैसे ठंडे रेगिस्तान में लोगों की जिंदगी पूरी तरह ग्लेशियर के पिघलने वाले पानी पर निर्भर है। अभी तो बर्फ तेजी से पिघलने की वजह से नदियों में पानी ज्यादा दिख सकता है, लेकिन कुछ सालों बाद गंभीर सूखा पड़ सकता है।

ईशान बनाए गए बीएसपी के नए राष्ट्रीय संयोजक

● मायावती का बड़ा ऐलान, दो नेताओं से सीखने को कहा



लखनऊ (एजेंसी)। बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने ईशान आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है। ईशान आनंद को बीएसपी ने राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। हालांकि ईशान अभी राज्यों में नहीं पार्टी का कामकाज ही देखेंगे। इसके लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता राजाराम और रामजी गौतम से ईशान पार्टी का कामकाज सिखेंगे। इसके लिए मायावती ने वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी तय कर दी है। यूपी में 2027 चुनाव को लेकर बसपा की अहम बैठक आज लखनऊ में आयोजित की गई।

रफ्तार से गुजर रही गाड़ियों पर पहाड़ों से बरस रहे पत्थर

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर नहीं थम रही पत्थरबाजी की घटना

झाबुआ (एजेंसी)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का कुछ हिस्सा मध्य प्रदेश से होकर गुजरता है। मध्य प्रदेश के हिस्से में लगातार पत्थरबाजी की खबरें आ रही हैं। बीते दिनों रतलाम में वाहनों के ऊपर जबरदस्त पत्थरबाजी हुई थी। इसमें कई वाहनों को नुकसान पहुंचा था। साथ ही कई लोग घायल भी हुए थे। प्रशासन की सख्ती के बावजूद इस पर लगाम नहीं लग रहा है।



दरअसल, यह एक्सप्रेसवे रतलाम जिले से भी होकर गुजरती है। रतलाम वाले हिस्से का एक वीडियो सामने आए हैं। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से गाड़ियों 100 किमी से अधिक की स्पीड से गुजरती हैं। ऐसे में आम लोगों और बाइक सवार इस हाईवे पर प्रतिबंधित हैं।

झाबुआ में भी पत्थरबाजी, पुलिस असफल

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे झाबुआ के थांदला से भी गुजरती है। यहां भी पत्थरबाजी हो रही है। थांदला के वीडियो में भी दिख रहा है कि लोग पहाडों पर खड़े हैं और गाड़ियों पर पत्थर मार रहे हैं। ऐसे में वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस लाख कोशिशों के बावजूद पत्थरबाजों पर नकेल नहीं कस पा रही है। मध्य प्रदेश में झाबुआऔर रतलाम से होकर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे गुजरता है। यह दूरी करीब 80 किमी है।

इंदौर - मुंबई मार्ग के गणेश घाट पर भीषण सड़क हादसा, कई वाहन आपस में भिड़े, 12 घायल

● **बस, ट्रक और ट्रेलर समेत कई वाहन दुर्घटना की चपेट में; घंटों बाधित रहा इंदौर-मुंबई हाईवे का यातायात**

मानपुर। इंदौर-मुंबई नेशनल हाईवे स्थित गणेश घाट पर बुधवार सुबह करीब 11 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बस, ट्रक, ट्रेलर समेत कई वाहन एक-दूसरे से टकरा गए। हादसा इतना भीषण था कि हाईवे पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। दुर्घटना में करीब 12 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। फिलहाल किसी जनहानि की पुष्टि नहीं हुई है हादसे की सूचना मिलते ही मानपुर थाना प्रभारी अरुण कुमार सोलंकी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

कई क्रेनों की मदद से हटाए दुर्घटनाग्रस्त वाहन– हादसे के बाद सड़क पर वाहनों के



क्षतिग्रस्त हिस्से और दुर्घटनाग्रस्त वाहन फंस जाने से आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। पुलिस और राहत दल ने कई क्रेनों की मदद से वाहनों को एक-दूसरे से अलग कर सड़क से हटाने का काम शुरू किया। घंटों की मशक्कत के बावजूद दोपहर करीब 2 बजे तक वाहनों को हटाने का कार्य जारी रहा। यातायात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हाईवे पर वाहनों की आवाजाही रोककर पहले दुर्घटनास्थल को सुरक्षित कराया। इसके बाद धीरे-धीरे यातायात बहाल किया गया।



दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के हटने के बाद हाईवे पर यातायात सामान्य हो सका।

हादसे के कारणों की जांच में जुटी पुलिस– पुलिस के अनुसार हादसे में फिलहाल किसी व्यक्ति की मौत की सूचना नहीं है। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर की, जिसमें पता चला कि आयशर वाहन दूसरी तरफ से आने के कारण हादसा हुआ है। प्रारंभिक रूप से कई वाहनों के एक साथ भिड़ने की बात सामने आई है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने होटल एवं रेस्टोरेंटों का किया निरीक्षण

सोयाबीन तेल सहित दाल, दूध एवं पनीर के नमूने जांच के लिए भेजे जाएंगे





डिंडौरी। वरिष्ठ कार्यालय खाद्य सुरक्षा प्रशासन, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण एवं खाद्य पदार्थों के नमूना संग्रहण की कार्रवाई निरंतर की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती प्रभा सिंह तेकाम द्वारा 22 सितम्बर को शहपुरा क्षेत्र में जबलपुर-अमरकंटक मार्ग स्थित अपना ढाबा, श्री छाया पैलेस, बालाजी डेयरी सहित विभिन्न होटल एवं रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण, खाद्य अनुज्ञप्ति तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन की जांच की गई। अपना ढाबा में वित्तीय वर्ष का खाद्य पंजीयन चस्पा पाया गया। मौके पर उपलब्ध पैक्ड खाद्य पदार्थ जैसे बिस्कुट, नमकीन, टोस्ट, चिप्स, ब्रेड एवं पाव आदि की नियत तिथि की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं में सुधार के लिए निर्धारित समय-सीमा देते हुए सुधार सूचना नोटिस जारी किया गया। साथ ही जांच के लिए तैयार दाल, दूध, पनीर एवं सोयाबीन तेल के नमूने लिए गए। श्री छाया पैलेस में भी निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं में सुधार के लिए निर्धारित समय-सीमा के साथ सुधार सूचना नोटिस जारी किया गया बालाजी डेयरी में मौके पर रैपिड किट के माध्यम से दूध का परीक्षण किया गया तथा जांच के लिए नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा संबंधित संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। लिए गए नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है। प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी। निर्धारित समय-सीमा में अनियमितताओं में सुधार नहीं किए जाने की स्थिति में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगी।

"ऑपरेशन मर्यादा" सरेराह लड़कियों से बदसलूकी कर रील बनाना पड़ा भारी

सलीम हुसैन



पुलिस अधीक्षक झाबुआ देवेन्द्र पाटीदार के निर्देशन में संचालित "ऑपरेशन मर्यादा" के तहत झाबुआ पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग, स्टंटबाजी, तेज एवं लापरवाह वाहन चलाने तथा महिलाओं एवं बालिकाओं से बदसलूकी करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। दिनांक 21 सितंबर को तेजा दशमी पर्व के दौरान बामनिया-खवासा रोड, बामनिया में मोटरसाइकिल सवार युवकों द्वारा जुलूस देखने जा रही लड़कियों के साथ बदसलूकी कर उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर हुई कार्रवाई- वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक झाबुआ देवेन्द्र पाटीदार द्वारा थाना प्रभारी पेटलावद निर्भयसिंह भूरिया को वीडियो में दिखाई दे रहे युवकों एवं वाहन की पहचान कर वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। निर्देशों के पालन में थाना प्रभारी पेटलावद द्वारा ऑपरेशन मर्यादा के तहत चौकी प्रभारी बामनिया सउनि लाखनसिंह भाटी एवं पुलिस टीम को आरोपियों की पतारसी हेतु लगाया गया। पुलिस टीम द्वारा वायरल वीडियो के आधार पर मोटरसाइकिल क्रमांक MP45MT3398 की पहचान की गई। जांच में उक्त वाहन देवु गामड़ पिता लालचन्द गामड़ निवासी मोईचारणी, तहसील पेटलावद के नाम पर होना पाया गया। पतारसी एवं पूछताछ के आधार पर मनीष पिता देवु गामड़ उम्र 18 वर्ष, महेश पिता मन्ना गामड़ और कालु पिता बाबु गामड़, तीनो निवासी मोईचारणी को पकड़ा गया। पूछताछ में तीनो द्वारा चलती मोटरसाइकिल से राह चलती लड़कियों के साथ बदसलूकी कर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करना स्वीकार किया गया। पुलिस द्वारा तीनो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें जेल दाखिल किया गया। ऑपरेशन मर्यादा के तहत पेटलावद पुलिस की दूसरी बड़ी कार्रवाई पेटलावद पुलिस द्वारा "ऑपरेशन मर्यादा" के तहत हुड़दंग, स्टंटबाजी एवं महिलाओं/बालिकाओं के साथ बदसलूकी करने वालों के विरुद्ध यह दूसरी बड़ी कार्रवाई की गई है। अभियान के तहत सोशल मीडिया पर सामने आने वाले वीडियो एवं रील्स, सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली गतिविधियों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है। वायरल वीडियो के आधार पर संबंधित व्यक्तियों एवं वाहनों की पहचान कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। झाबुआ पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि मेले, हाट-बाजार एवं त्यौहारों के दौरान हुड़दंग, तेज रफ्तार वाहन चलाने, स्टंटबाजी अथवा महिलाओं एवं बालिकाओं से बदसलूकी करने वालों के विरुद्ध सख्त एवं त्वरित कार्रवाई जारी रहेगी। झाबुआ पुलिस का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षित एवं अनुशासित वातावरण बनाए रखना तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पुलिस द्वारा आमजन से अपील की गई है कि ऐसी किसी भी घटना अथवा संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें तथा "ऑपरेशन मर्यादा" को सफल बनाने में पुलिस का सहयोग करें। उक्त सराहनीय कार्रवाई पर बामनिया एवं पेटलावद क्षेत्र की जनता द्वारा पुलिस की प्रशंसा की गई। पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र पाटीदार द्वारा पुलिस टीम को सराहनीय कार्य के लिए नकद पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

जय अम्बे ग्रुप की अम्बाजी पैदल यात्रा का हुआ सफल समापन, झाबुआ पहुँचने पर पलक बेकर्स द्वारा किया गया भावभिना स्वागत





सलीम हुसैन

झाबुआ जय अम्बे ग्रुप (हरिजन समाज) द्वारा झाबुआ के सिद्धेश्वरी माता मंदिर से 15 सितम्बर 2026 को अम्बाजी (गब्बर) के लिए रवाना हुई पैदल रथ यात्रा सकुशल संपन्न होकर 22 सितम्बर 2026 को वापस झाबुआ पहुँची। पदयात्रियों के झाबुआ आगमन पर पलक बेकर्स, झाबुआ द्वारा सभी श्रद्धालु मित्रों एवं पदयात्रियों का भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर पलक बेकर्स परिवार द्वारा सभी यात्रियों के लिए स्वल्पाहार/भोजन प्रसादी का विशेष आयोजन रखा गया। भोजन उपरांत सभी पदयात्रियों का श्रीफल भेंट कर वंदन-अभिनंदन किया गया तथा माँ अंबे के जयकारों के साथ यात्रा की सफलता की बधाई दी गई। जय अम्बे ग्रुप के सदस्यों ने यात्रा को निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए माता रानी का आभार व्यक्त किया तथा पलक बेकर्स परिवार द्वारा दिए गए इस आत्मीय स्वागत एवं सम्मान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

रणजीत टाइम्स

बाबा महाकाल के भस्म स्वरूप और श्री सांवरिया सेठ की मनमोहक झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

बलाई सकल पंच राधा कृष्ण मंदिर से निकला डोल ग्यारस का 53वां भव्य डोल

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। डोल ग्यारस के पावन अवसर पर श्री बलाई सकल पंच राधा कृष्ण मंदिर द्वारा 53वां भव्य डोल बड़े ही हर्षोल्लास और धार्मिक आस्था के साथ निकाला गया। डोल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे यात्रा मार्ग पर भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

डोल में विशेष आकर्षण के रूप में बाबा महाकाल का भस्म स्वरूप देखने को मिला। वहीं श्री सांवरिया सेठ की सुंदर एवं मनमोहक झांकी ने भी श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। डोल के साथ चल रहे विभिन्न अखाड़ों के कलाकारों ने आकर्षक





प्रस्तुतियां दीं। कई बालिकाओं ने भी अपने हुनर का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों की खूब तालियां बटोरीं। डोल यात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने स्वागत किया और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। यात्रा मार्ग पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा स्वागत मंच लगाए गए, जहां डोल यात्रा में शामिल लोगों और आयोजकों का सम्मान भी किया गया। आयोजकों ने बताया कि डोल निकालने की यह धार्मिक परंपरा उनके पूर्वजों के समय से चली आ रही है और आज भी समाज इसे पूरी श्रद्धा के साथ आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाली पीढ़ियां भी इस परंपरा को इसी आस्था और उत्साह के साथ आगे बढ़ाएंगी तथा समय के साथ नए और आकर्षक स्वरूपों को शामिल करते हुए डोल को और भी भव्य रूप से निकालेंगी। आयोजन के दौरान धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और पारंपरिक संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला। 53वें डोल ने पूर्वजों से मिली परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संदेश भी दिया।

लालपुर स्कूल में 'पढ़ेगा इंडिया, बढ़ेगा इंडिया' के दावों की खुली पोल!

बच्चों को पढ़ाया जा रहा पुराना कलेक्टर का नाम, शौचालय पर ताला, बालिका शौचालय में गंदगी और शराब की बोतलें—स्कूल व्यवस्था पर बड़े सवाल

करैरा। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे लगातार किए जाते हैं, लेकिन शासकीय माध्यमिक विद्यालय लालपुर की कथित जमीनी तस्वीर इन दावों पर गंभीर सवाल खड़े करती नजर आ रही है। यहां सवाल सिर्फ पढ़ाई का नहीं, बल्कि उस बुनियादी व्यवस्था का है जिसे देखकर बच्चों को अनुशासन, स्वच्छता और सही सामान्य ज्ञान सीखना चाहिए। जिसे वर्तमान बताया जा रहा, वह पुरानी जानकारी? विद्यालय में बच्चों को सामान्य जानकारी देने के लिए लगाए गए चार्ट में शिवपुरी जिले के कलेक्टर के रूप में पूर्व कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी का नाम प्रदर्शित होने की बात सामने आई है। इसी तरह जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में विवेक श्रीवास्तव का नाम दर्ज बताया जा रहा है। यदि विद्यालय में वास्तव में पुरानी जानकारी ही बच्चों को पढ़ाई जा रही है, तो सवाल उठता है- क्या विद्यालय में सामान्य ज्ञान का चार्ट भी अपडेट नहीं किया जाता? बच्चों को बदलते प्रशासनिक पदों और वर्तमान व्यवस्था की सही जानकारी देना भी शिक्षा का हिस्सा है। ऐसे में वर्षों पुरानी अथवा अद्यतन न की गई जानकारी बच्चों के सामने प्रदर्शित होना विद्यालय की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। शौचालय बना, लेकिन बच्चों के लिए बंद! विद्यालय की सबसे गंभीर तस्वीर मूलभूत सुविधाओं को लेकर सामने आती है। बताया गया कि बालक शौचालय पर ताला लगा हुआ है, जबकि बालिका शौचालय में गंदगी और अव्यवस्था दिखाई दी। इतना ही नहीं, वहां शराब की खाली बोतलें पड़े होने का भी दावा किया गया है।



अब सवाल सीधा है-जब विद्यालय में बच्चों के लिए शौचालय बनाया गया है, तो उस पर ताला क्यों? और यदि शौचालय का उपयोग हो रहा है तो उसकी नियमित सफाई और निगरानी कौन कर रहा है? बच्चों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाने वाले विद्यालय परिसर में यदि शौचालय ही गंदगी और अव्यवस्था का शिकार हों, तो यह स्थिति निश्चित रूप से गंभीर जांच की मांग करती है। पानी, सफाई और स्वस्थ वातावरण—कहां हैं ये सुविधाएं? बच्चों के लिए स्वच्छ पेयजल, साफ-सुथरे शौचालय और स्वच्छ विद्यालय परिसर किसी विलासिता के नहीं, बल्कि बुनियादी जरूरत के विषय हैं। लेकिन लालपुर विद्यालय को लेकर सामने आई तस्वीर में इन सुविधाओं की स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं। कागजों में सुविधा और धरातल पर अव्यवस्था—क्या यही सरकारी स्कूल की नई तस्वीर है? अतिरिक्त कक्ष बने, लेकिन हालत देखकर व्यवस्था पर सवाल विद्यालय परिसर में बने अतिरिक्त कक्षों की स्थिति भी दयनीय बताए जाने से निर्माण और रखरखाव व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। यदि सरकारी राशि से विद्यालय में भवन और सुविधाएं तैयार की गई हैं, तो उनका नियमित रखरखाव और बच्चों के हित में उपयोग सुनिश्चित करना भी संबंधित जिम्मेदारों की जिम्मेदारी है। शराब पीकर पढ़ाने के आरोप—क्या होगी जांच? मामला यहीं खत्म नहीं होता।- ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुछ समय पहले विद्यालय में पढ़ाने वाले कुछ शिक्षक कथित तौर पर विद्यालय परिसर में शराब का सेवन करते थे और कभी-कभी शराब के नशे में बच्चों को पढ़ाने की शिकायतें भी सामने आई थीं। यह आरोप बेहद गंभीर हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए इनकी सत्यता जांच का विषय है। लेकिन यदि ऐसी शिकायतें जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंची थीं, तो क्या उनकी जांच हुई? क्या कभी विद्यालय का औचक निरीक्षण किया गया? क्या शिक्षकों की उपस्थिति और कार्यप्रणाली की नियमित निगरानी होती है? इन सवालों के जवाब अब ग्रामीण और अभिभावक जिम्मेदार विभाग से मांग रहे हैं। विद्यालय प्रबंधन पर भी निगरानी का सवाल- विद्यालय परिसर की स्थिति देखकर एक बड़ा सवाल यह भी उठता है कि यदि शौचालयों की सफाई, परिसर की व्यवस्था और सूचना-पट्ट तक समय पर अपडेट नहीं हो रहे, तो विद्यालय की नियमित मॉनिटरिंग किस स्तर पर हो रही है?

झाबुआ विधायक डॉ विक्रांत भूरिया ने दिल्ली मुंबई 8 लेन पर पथराव पर चिन्ता व्यक्त की

केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री को लिखा पत्र सुरक्षा बढाने की मांग

सलीम हुसैन

झाबुआ- दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक महत्वपूर्ण परियोजना होकर राष्ट्रीय मार्ग है उक्त मार्ग राजस्थान गुजरात मध्यप्रदेश को को जोडने वाला प्रमुख मार्ग है। विगत कुछ दिनों से उक्त मार्ग पर आये दिन वाहनों पर पथराव की घटनाएं सामने आ रही है। इस तरह की घटना से आम यात्रियों वाहन चालकों में भय का वातावरण निर्मित हो गया है तथा कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए है जनहानि की भी आशंका बनी रहती है,लगातार इस तरह की घटनाओं से रात में इस मार्ग से गुजरने वाले यांत्रियों की सुरक्षा को लेकर चितां बढी है। उक्त बात जिले के विधायक एवं आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने श्री नितिन गडकरी केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नईदिल्ली को अपने पत्र में लिख कर मार्ग की सुरक्षा बढाई जाने की मांग की गई है। उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका ने बताया कि वर्तमान में दिल्ली-मुंबई 8 लेन पर हो रही पथराव की घटना का झाबुआ विधायक विक्रांत भूरिया ने संज्ञान में लेते हुए केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नईदिल्ली को अपने पत्र में लिख कर मार्ग की सुरक्षा बढाई जाने की मांग की गई है। भूरिया ने अपने पत्र में मंत्रीजी को अवगत कराया है कि विगत एक सप्ताह में दो बार वाहनों पर पथराव की घटना हुई है जिससे अनेक वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया तथा यात्रियों एवं वाहन चालकों को गंभीर चोंट भी आई है। उक्त पथराव की घटना म.प्र.के झाबुआ एवं रतलाम जिले में हो रही है।



इस सबंध में मंत्रीजी से अनुरोध है कि

उक्त मार्ग पर पुलिस पेट्रोलिग एवं सीसीटीवी निगरानी बढाई जाए।

सुरक्षा के सबंध में सबंधित नेशनल हाईवेअथोर्टी एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन को असामाजिक तत्वों पर कडी कार्रवाही के निर्देश दिये जावे ।

एक्सप्रेस वे के किनारे बसे गांवों में जन जागरूकता अभियान चलाया जाए।

विधायक भूरिया ने साथ ही शासन से अपेक्षा की गई ह कि उक्त कार्यवाही से यांत्रियों में सरुक्षा का भाव जागृत होगा एवं इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परियोजना की गरिमा बनी रहेगी, ऐसे जनहित में इस विषय पर शीघ्र संज्ञान लेकर उचित सुरक्षा सबंधी आदेश जारी करने की कृपा करेगें। इस सबंध में विधायक भूरिया द्वारा पुलिस महानिदेशक पुलिय मुख्यालय भोपाल एवं रतलमा व झाबुआ पुलिस अधीक्षक को भी सुरक्षा के सबंध में अवगत कराया गया है।

आकांक्षी विकासखंड करंजिया में CWSN शिक्षकीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

87 शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण, समावेशी शिक्षा को प्रभावी बनाने पर जोर

शिवम् प्रजापति



डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षा विभाग के निर्धारित संकेतकों को संतृप्त करने के उद्देश्य से उत्कृष्ट विद्यालय करंजिया में एक दिवसीय CWSN (Children with Special Needs) शिक्षकीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में विकासखंड के 87 शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को समझते हुए विद्यालयों में समावेशी शिक्षा को प्रभावी बनाना रहा। प्रशिक्षण का आयोजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डिण्डौरी श्री दिव्यांशु चौधरी एवं सहायक आयुक्त श्री राजेंद्र जाटव के पत्राचार के परिपालन में तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करंजिया श्री राजीव कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यशाला में शिक्षकों को CWSN बच्चों की पहचान, उनकी शैक्षणिक एवं व्यवहारिक आवश्यकताओं तथा कक्षा में उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की जानकारी दी गई। साथ ही समावेशी शिक्षण पद्धतियों, शिक्षण-अधिगम सामग्री के उपयोग एवं विद्यार्थियों की प्रगति के आकलन से संबंधित व्यावहारिक पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में सैद्धांतिक जानकारी के साथ गतिविधि एवं अनुभव आधारित प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया गया। उदाहरणों एवं व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से शिक्षकों को CWSN विद्यार्थियों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने तथा उनकी व्यक्तिगत क्षमताओं और आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण प्रक्रिया अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यशाला में विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री अजय राय, मास्टर ट्रेनर श्री दुर्गेश सिंह श्याम तथा सामाजिक न्याय विभाग से श्री कमलेश धुर्वे एवं श्री हरीश विश्वकर्मा उपस्थित रहे। प्रशिक्षण से विद्यालयों में विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराने और उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में समावेशी शिक्षा को और मजबूती मिलेगी।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच एवं पोषण परामर्श शिविर आयोजित

बैगा बाहुल्य वनग्रामों में 87 हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी दी गई जानकारी





शिवम् प्रजापति

डिंडौरी सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री श्याम सिंगौर के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से बैगा बाहुल्य वनग्राम पोंडी, ईश्वरपुर बंगवार एवं वकीली टोला झामूल में स्वास्थ्य जांच एवं पोषण परामर्श शिविर आयोजित किए गए। शिविर का उद्देश्य दूरस्थ वनग्रामों में निवासरत परिवारों तक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना तथा गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, बच्चों, किशोरियों एवं महिलाओं को आवश्यक स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श उपलब्ध कराना रहा। शिविर के दौरान 15 गर्भवती महिलाओं, 12 धात्री माताओं, 34 बच्चों तथा 26 अन्य महिलाओं एवं किशोरियों सहित कुल 132 हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच की गई। जांच के दौरान आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। हितग्राहियों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वच्छता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के संबंध में जानकारी दी गई। इन ग्रामों में कुल 148 परिवारों को आहार अनुदान योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। शिविर में इन परिवारों सहित अन्य पात्र हितग्राहियों को भी स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं की जानकारी प्रदान की गई। स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के मैदानी अमले द्वारा ग्रामीण परिवारों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्ध स्वास्थ्य-पोषण सेवाओं की जानकारी दी गई। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से दूरस्थ एवं वनग्राम क्षेत्रों में निवासरत पात्र हितग्राहियों तक विभागीय सेवाएं पहुंचाने तथा उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

सुलोचना बाई की समस्या बनी पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण का आधार



डिंडौरी,जनसुनवाई में सामने आई एक परिवार की समस्या ने जिले में पेंशन एवं कर्मचारियों के देय स्वत्वों के समयबद्ध निराकरण की दिशा में व्यापक पहल का आधार तैयार किया। वार्ड क्रमांक 12, डिंडौरी निवासी श्रीमती सुलोचना बाई, पति स्वर्गीय श्री रोहिणी प्रसाद पनिका, सहायक शिक्षक, ने 22 सितंबर को आयोजित जनसुनवाई में पति की मृत्यु उपरांत लंबित परिवार पेंशन के संबंध में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया कलेक्टर ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी, अमरपुर को तत्काल जनसुनवाई में बुलाया और प्रकरण की जानकारी लेकर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। तत्पश्चात परिवार पेंशन से संबंधित प्रकरण का तत्काल निराकरण कराया गया। 23 सितंबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की आयोजित पेंशन एवं देय स्वत्वों की समीक्षा बैठक में श्रीमती सुलोचना बाई अपनी बेटी के साथ उपस्थित रहीं। इस दौरान कलेक्टर ने उनसे प्रकरण के निराकरण के संबंध में जानकारी ली और यह सुनिश्चित किया कि उन्हें परिवार पेंशन सहित अन्य वैधानिक देयकों के लिए किसी प्रकार की परेशानी न हो।

एक प्रकरण से पूरे जिले के लिए बनी व्यवस्था

श्रीमती सुलोचना बाई के प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने आज विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ पेंशन एवं कर्मचारियों के देय स्वत्वों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसी कर्मचारी अथवा उसके परिवार को अपने वैधानिक अधिकारों के लिए लंबे समय तक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए विभागों को पहले से तैयारी करनी होगी। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिस कर्मचारी की सेवानिवृत्ति प्रस्तावित है, उसकी पेंशन एवं अन्य देय स्वत्वों की प्रक्रिया सेवानिवृत्ति से कम से कम छह माह पहले ही प्रारंभ कर दी जाए। इससे सेवा पुस्तिका, जीपीएफ, जीआईएस, उपादान, अवकाश नगदीकरण तथा अन्य आवश्यक अभिलेखों की जांच समय रहते पूरी की जा सकेगी और सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारी को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

सेवा संकल्प अभियान' के तहत सिरपुर में चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता सह उमंग कार्यक्रम आयोजित

महेन्द्र मालवीय
रणजीत टाईम्स

बुरहानपुर :- सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे मंडल दोइफोडिया के ग्राम सिरपुर (शिकारपुरा) स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में "विकसित भारत" विषय पर भव्य चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

साथ ही विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, जीवन कौशल और समग्र विकास को समर्पित 'उमंग' कार्यक्रम भी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान "विकसित भारत" विषय पर आयोजित चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय



श्रेणी के प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री संजय जाधव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंडल महामंत्री शुभम चौकसे, मंडल उपाध्यक्ष जितेंद्र भारते, किसान मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी नवीन आड़े, पिछड़ा मोर्चा जिला मंत्री दिनेश पाटिल, कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री कनक ससाने सहित विद्यालय के प्राचार्य भागवत राठौड़ सहित समस्त शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने विद्यार्थियों को 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और उमंग कार्यक्रम के माध्यम से उनके बेहतर स्वास्थ्य व जीवन कौशल विकास के लिए प्रेरित किया।

गरबा पांडाल में प्रवेश को लेकर राष्ट्रीय सनातन सेना भारत ने रखी मांग

शिाल मंडलोई बोले—मां की आराधना में शामिल होने वालों के लिए तिलक व हिंदू परंपरा का पालन जरूरी

राजेश धाकड़

इंदौर। नवरात्रि पर्व को लेकर गरबा आयोजनों की तैयारियों के बीच राष्ट्रीय सनातन सेना भारत के जिला उपाध्यक्ष इंदौर विशाल मंडलोई ने गरबा पांडालों में प्रवेश और आयोजन की धार्मिक परंपराओं को लेकर अपनी बात रखी। मीडिया से चर्चा करते हुए मंडलोई ने कहा कि गरबा पांडालों में मां की आराधना धार्मिक श्रद्धा और परंपराओं के अनुरूप की जाती है, इसलिए आयोजन में शामिल होने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पांडाल की निर्धारित धार्मिक मर्यादाओं का पालन करना चाहिए। विशाल मंडलोई ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति गरबा पांडाल में मां की आराधना में शामिल होना चाहता है, तो उसे आयोजन की धार्मिक परंपराओं



विशाल मंडलोई उपाध्यक्ष

और आयोजकों द्वारा निर्धारित नियमों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पांडाल में प्रवेश से पहले तिलक लगाने तथा हिंदू धार्मिक परंपराओं के अनुरूप उपस्थित होने की व्यवस्था को लेकर संगठन अपनी बात आयोजकों और प्रशासन के समक्ष रख रहा है मंडलोई ने कहा कि नवरात्रि के दौरान आयोजित गरबा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि मां भगवती की आराधना और श्रद्धा का पर्व है। ऐसे में गरबा आयोजनों में धार्मिक भावनाओं और परंपराओं की मर्यादा बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

उन्होंने आयोजकों से भी अपील की कि गरबा पांडालों में प्रवेश के लिए स्पष्ट नियम निर्धारित किए जाएं और सभी प्रवेशकों को आयोजन की आचार-संहिता से अवगत कराया जाए। साथ ही उन्होंने प्रशासन से गरबा आयोजनों के दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की। राष्ट्रीय सनातन सेना भारत की ओर से कहा गया कि नवरात्रि के दौरान धार्मिक आयोजनों की गरिमा और श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अक्षर सामाजिक सेवा समिति एवं आई सी डी एस परियोजना सोहावल की पहल



खुशबू श्रीवास्तव

भारत सरकार द्वारा 9 सितंबर से 9 अक्टूबर तक राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत आंगनवाड़ी स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक पोषण एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों , कार्यशाला , प्रचार प्रसार संबंधी सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में अक्षर सामाजिक सेवा समिति के अध्यक्ष श्री विवेक सिंह जी के नेतृत्व में आई सी डी एस परियोजना सोहावल,महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी श्री पुनीत शर्मा जी के समन्वय से आज दिनांक 23 सितंबर 2026 को ग्राम पंचायत बचवई में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित सभी हितग्राहियों को सामान्य स्वास्थ्य चेकअप करवाया गया। कुल 60 हितग्राही जिसमें बच्चे ,महिलाएं सम्मिलित हुए । स्वास्थ्य शिविर की मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत की माननीय सरपंच श्रीमती नीता डोहर रही, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व सरपंच श्री अनुरुद्ध प्रताप सिंह जी रहे। शिविर के सम्मानीय चिकित्सक डॉ अनूप सिंह बघेल (जनरल फिजिशियन) एवं डॉ ब्रजराज सिंह परिहार (B D S) के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। बीआरसी सोहावल ब्लॉक के दिवाकर सिंह जी, प्राथमिक शाला शिक्षक मिश्रा सर, बचवई , परियोजना की सेक्टर सुपरवाइजर सुश्री रोशनी चौरसिया , आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुधा मिश्रा,ममता सोनी, उपस्थित अन्य विशिष्ट जन श्री सरगुन पांडे, श्री सत्येंद्र सिंह, श्री वीरेंद्र सिंह जी द्वारा भी शिवर की सफलता में अपना विशेष योगदान दिया है। सचिव डॉ अरुणेंद्र प्रताप सिंह जी द्वारा सभी को धन्यवाद प्रस्तुत किया गया।

इंदौर में खाद्य तेलों की गुणवत्ता जांच का विशेष अभियान

खुशबू श्री श्रीवास्तव

इंदौर। खाद्य तेलों में मिलावट की रोकथाम और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, मध्य प्रदेश के निर्देशन तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में की जा रही इस कार्रवाई के तहत अलग-अलग प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य तेलों के नमूने लिए जा रहे हैं। अभियान के तहत मल्हारगंज स्थित श्री श्याम एंड



श्याम ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम का निरीक्षण किया गया। यहां सोना सिक्का ब्रांड मूंगफली तेल एवं कच्ची घानी मस्टर्ड ऑयल के विभिन्न पैकिंग साइज के कुल 9 नमूने जांच के लिए लिए गए। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर आवश्यक खाद्य लाइसेंस उपलब्ध नहीं पाया गया।

कार्रवाई के दौरान मौके से करीब 10,500 लीटर खाद्य तेल जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रुपये बताई गई है। लिए गए सभी नमूनों को गुणवत्ता परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसी अभियान के तहत 23 सितंबर को सियागंज स्थित शंकर महादेव ट्रेडर्स का भी निरीक्षण किया गया।

यूपीआई शुल्क की आहट पर इंदौर में व्यापारियों का शक्ति प्रदर्शन, काले कपड़े से ढके सैकड़ों क्यूआर कोड

'नो यूपीआई डे' पर बाजारों में डिजिटल भुगतान बंद, 125 व्यापारिक संगठनों का समर्थन; व्यापारियों ने कहा- डिजिटल भुगतान बढ़ाया हमने, अब शुल्क का बोझ भी हम पर क्यों?

इंदौर। यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाए जाने की चर्चा के विरोध में बुधवार को इंदौर के व्यापारियों ने 'नो यूपीआई डे' मनाकर अपना विरोध दर्ज कराया। शहर के मध्य क्षेत्र सहित प्रमुख बाजारों में व्यापारियों ने दुकानों पर लगे यूपीआई क्यूआर कोड और स्कैनर मशीनों को काले कपड़े से ढक दिया। कई बाजारों में बुधवार को यूपीआई से भुगतान नहीं लिया गया और ग्राहकों से नकद भुगतान करने की अपील की गई। अहिल्या चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के आह्वान पर आयोजित इस अभियान में 125 व्यापारिक संगठनों ने समर्थन दिया। मारोठिया बाजार, नरसिंह बाजार, शीतलामाता बाजार, सराफा, शक्कर बाजार और बजाजखाना सहित कई प्रमुख बाजारों में व्यापारी अभियान में शामिल हुए।





राजबाड़ा पर एक दुकान में जमा किए पूरे बाजार के क्यूआर कोड- प्रदर्शन के दौरान राजबाड़ा क्षेत्र में व्यापारियों ने अलग अंदाज में विरोध दर्ज कराया। रेडीमेड व्यापारी अक्षय जैन के अनुसार, बड़ी संख्या में दुकानों के यूपीआई क्यूआर स्टैंड और भुगतान उपकरण एकत्र कर एक स्थान पर रखे गए और उन्हें काले कपड़े से ढंक दिया गया। व्यापारियों का कहना है कि यह प्रतीकात्मक प्रदर्शन संभावित एमडीआर शुल्क के विरोध में किया गया है। इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अक्षय जैन ने कहा कि यह सरकार का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित करने के लिए शांतिपूर्ण और प्रतीकात्मक प्रदर्शन है। व्यापारियों ने मंगलवार को बाजारों में दुकानदारों से अभियान में शामिल होने की अपील की थी। बुधवार को ग्राहकों से भी एक दिन यूपीआई का इस्तेमाल नहीं करने का आग्रह किया गया।

0.4 प्रतिशत शुल्क वापस लेने की मांग- गोपाल मंदिर व्यापारी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मुकेश पटवा ने कहा कि व्यापारियों की मुख्य मांग यूपीआई पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत शुल्क को वापस लेने की है। उनका कहना है कि सरकार और बैंकिंग व्यवस्था के साथ व्यापारियों ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया है और अब बड़ी संख्या में कारोबार ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से हो रहा है। ऐसे में अतिरिक्त शुल्क से व्यापारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। व्यापारियों का कहना है कि यदि अतिरिक्त शुल्क का भार व्यापारियों पर आता है तो उसका असर आगे ग्राहकों पर भी पड़ सकता है। उनका विरोध डिजिटल भुगतान व्यवस्था के खिलाफ नहीं, बल्कि अतिरिक्त शुल्क के संभावित आर्थिक बोझ के खिलाफ है।

15 अक्टूबर तक जारी रहेगा विरोध- इंदौर रेडीमेड एसोसिएशन के संयुक्त सचिव पवन पवार ने बताया कि बुधवार से यूपीआई भुगतान नहीं लेने का निर्णय लिया गया है। उनके अनुसार अहिल्या चैंबर ऑफ कॉमर्स के बैनर तले 125 व्यापारिक एसोसिएशन इस विरोध में शामिल हैं। व्यापारिक संगठनों ने 15 अक्टूबर तक विभिन्न स्तरों पर विरोध जारी रखने की बात कही है। इसके बाद मांगों पर सरकार के रुख के आधार पर अहिल्या चैंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से आगे की रणनीति तय की जाएगी। व्यापारिक संगठनों का दावा है कि एक दिन के विरोध से शहर में करोड़ों रुपये के डिजिटल कारोबार पर असर पड़ा। हालांकि कारोबार प्रभावित होने का सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य डिजिटल भुगतान को रोकना नहीं, बल्कि संभावित अतिरिक्त शुल्क के मुद्दे पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है।

सरकारी जमीन पर विकसित हो रही अवैध कॉलोनी ध्वस्त, प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

सनावदिया में 0.550 हेक्टेयर शासकीय पट्टे की जमीन पर काटे जा रहे थे अवैध प्लॉट; तीन लोगों पर पहले से एफआईआर दर्ज



इंदौर। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर प्रशासन ने तहसील भिचौली हप्सी के ग्राम सनावदिया में शासकीय पट्टे की जमीन पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया। एसडीएम अजय भूषण शुक्ला ने बताया कि ग्राम सनावदिया में भूमि स्वामी जितेंद्र पिता करण सिंह द्वारा सर्वे नंबर 680/1/1/2/3 और 680/1/1/2/6 की करीब 0.550 हेक्टेयर शासकीय पट्टे की भूमि पर अवैध रूप से प्लॉट काटकर बेचने और निर्माण कराने की जानकारी मिली थी। सूचना के बाद एसडीएम अजय भूषण शुक्ला, तहसीलदार अनिल पटेल, अजय अहिरवार सहित राजस्व अमला और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। टीम ने कार्रवाई करते हुए निर्माणाधीन पक्के निर्माण और कॉलोनी में बनाई गई सड़कों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनी को पूरी तरह हटा दिया गया। प्रशासन के अनुसार मामले में बने सिंह, चम्पालाल और जितेंद्र के खिलाफ अवैध कॉलोनी विकसित करने के संबंध में पहले से ही एफआईआर दर्ज है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

इंदौर मेट्रो : सुरंग निर्माण के लिए विदेश से आई मशीन, अब जमीन के अंदर दौड़ेगी मेट्रो

इंदौर। मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में मेट्रो के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मंगलवार से शहर में भूमिगत मेट्रो के लिए सुरंग निर्माण का काम शुरू हो गया। जमीन से करीब 20 मीटर नीचे मेट्रो दौड़ाने के लिए काम ने रफ्तार पकड़ ली है। टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) 'नर्मदा' ने भूमिगत मेट्रो के लिए सुरंग बनाने का काम शुरू कर दिया है। इंदौर के इतिहास में पहली बार विदेश से लाई गई टनल बोरिंग मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा है। 17.5 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर के बाद अब मेट्रो की सुरंग जमीन के अंदर बनाई जा रही है। देवी अहिल्या एयरपोर्ट के सामने प्रस्तावित भूमिगत मेट्रो स्टेशन से टनल बोरिंग मशीन ने सुरंग निर्माण का काम शुरू किया। विदेश से लाई गई मशीन को इंदौर में असेंबल कर खुदाई के लिए तैयार किया गया था। पहले दिन मशीन की गति धीमी रखी गई। यह मशीन जमीन से करीब 20 मीटर नीचे 5.8 मीटर व्यास की सुरंग बनाएगी, जिसके भीतर से मेट्रो ट्रेन गुजरेगी।



ऐसे काम करेगी मशीन- जिस क्षेत्र में खुदाई की जा रही है, वहां आसपास के मकानों में सेंसर लगाए गए हैं, ताकि जमीन में होने वाले कंपन की निगरानी की जा सके। इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल और हाइड्रोलिक सिस्टम की जांच के बाद टीबीएम को शुरू किया गया। मशीन के करीब 20 मीटर अंदर जाने के बाद लोकोमोटिव इंजन को सुरंग में उतारा जाएगा। इसके पीछे तीन ट्रॉलियां रहेंगी, जिनमें खुदाई से निकलने वाली मिट्टी को भरकर बाहर लाया जाएगा।

करीब 2850 करोड़ रुपये की लागत- मेट्रो के इस विस्तार पर करीब 2850 करोड़ रुपये की लागत आएगी। नए मार्ग के शुरू होने से इंदौर में सड़क यातायात का दबाव कम होने और लोगों को आवागमन का तेज विकल्प मिलने की उम्मीद है। मेट्रो के विस्तार के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ने की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ रही है। आने वाले समय में मेट्रो नेटवर्क के और विस्तार से इंदौर के सार्वजनिक परिवहन को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है।

कांग्रेस की एसआईआर और वोटर लिस्ट पर घेराबंदी

आयोग की कार्यप्रणाली पर विपक्ष में ही नहीं बल्कि आयोग में भी उठ रहा सवाल - पूर्व मंत्री वर्मा

इन्दौर। निर्वाचन प्रक्रिया और विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर सामने आई गंभीर रिपोर्टों को लेकर कांग्रेस आक्रामक हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ओर पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने चिंता जताते हुए सवाल खड़े किए है। वर्मा ने कहा कि अब निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल केवल विपक्ष नहीं, बल्कि स्वयं आयोग के भीतर से उठ रहे हैं। जब तीन सदस्यीय निर्वाचन आयोग के दो आयुक्त पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार महत्वपूर्ण फैसलों और प्रक्रियाओं पर लिखित आपत्ति दर्ज करा चुके हैं, तो देश के करोड़ों मतदाताओं के सवालों का जवाब देना जरूरी हो गया है। वर्मा ने कहा कि निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने, स्ट्रक्र चुनावी डेटाबेस के नियंत्रण तथा फार्म-6 में किए गए बदलाव सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर लिखित आपत्तियां दर्ज की हैं। रिपोर्ट के अनुसार दोनों आयुक्तों ने यह भी सवाल उठाया कि कुछ निर्णय उनके ज्ञान अथवा अनुमोदन के बिना लिए गए।उन्होंने कहा कि स्नशह्द्ध-6 नए मतदाताओं के पंजीयन का वैधानिक फॉर्म है, और इसमें किए गए बदलाव पर दोनों आयुक्तों ने आपत्ति दर्ज कराई।



मीराबाई चानू ने जीता एशियन गेम्स में पहला मेडल

एशियन गेम्स वेटलिफ्टिंग
खत्म हुआ 28 साल का सूखा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अपना पहला सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मीराबाई ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए देश को वेटलिफ्टिंग में 1998 के बाद पहला एशियन गेम्स मेडल दिलाया है। 49 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई ने कुल 198 किलोग्राम का भार उठाते हुए एशियन गेम्स में अपना पहला मेडल जीता। पिछले एशियन गेम्स में वह मेडल लाने से चूक गई थीं और चौथे स्थान पर रही थीं। स्नैच राउंड के अपने पहले प्रयास में मीराबाई ने 83 किलो का वजन उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह 85 किलो का भार उठाने में कामयाब रहीं। तीसरे प्रयास में मीराबाई ने 87 किलो वजन उठाया। क्लीन एंड जर्क राउंड में भी मीराबाई का प्रदर्शन शानदार रहा। मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क राउंड के पहले प्रयास में 107 किलो का भार उठाया। वहीं, दूसरी कोशिश में वह 111 किलो का वजन उठाने में सफल रहीं। वहीं, नॉर्थ कोरिया की खिलाड़ी री सोंग-गम ने गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। साल 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने भारत के लिए वेटलिफ्टिंग में आखिरी मेडल जीता था। इसके बाद से कोई भी खिलाड़ी एशियन गेम्स में देश के लिए मेडल नहीं ला सका था। हालांकि, मीराबाई का गोल्ड मेडल जीतने का सपना साकार नहीं हो सका। मीराबाई चानू ने एशियन गेम्स में अपने मेडल का सूखा भी खत्म कर दिया है।



साल 2014 में वह 9वें स्थान पर रही थीं। वहीं, जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई चोट के चलते हिस्सा नहीं ले सकी थीं। हांगझोऊ में हुए एशियन गेम्स में मीराबाई ने 49 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लिया था, लेकिन वह चौथे स्थान पर रही थीं और मेडल लाने से चूक गई थीं।

महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्कीट टीम का कमाल, ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्कीट टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। भवतेघ सिंह गिल, अनंतजीत सिंह नारुका और मैराज अहमद खान की तिकड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया है। भारतीय स्कीट टीम ने फाइनल में कुल 346 का स्कोर करते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। कुवैत ने 348 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि कतर की टीम 353



स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही। अनंतजीत ने इस स्पर्धा के व्यक्तिगत फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। इससे पहले भारत की महिला स्कीट टीम ने भी देश को इसी स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। परिनाज धालीवाल, रजिया ढिल्लों और माहेश्वरी चौहान ने कुल 331 का स्कोर करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, शूटिंग में भारत की उम्मीदों को उस समय करारा झटका लगा, जब मनु भाकर 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में मेडल लाने से चूक गईं। मनु 181.1 के स्कोर के साथ फाइनल मुकाबले में पांचवें स्थान पर रहीं। मनु अपने प्रदर्शन से खुद निराश नजर आईं। इसके साथ ही 10 मीटर एयर पिस्टल के टीम इवेंट में भी मनु, ईशा और सुरुचि की तिकड़ी मेडल जीतने से मामूली अंतर से चूक गई। भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही।

जय मीणा ने रचा इतिहास

सॉफ्ट टेनिस में भारत को दिलाया पहला ब्रॉन्ज मेडल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में जय मीणा ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने पुरुषों के सॉफ्ट टेनिस में भारत के लिए पहला मेडल जीता है। हालांकि, सेमीफाइनल में उन्हें जापान के ताकुया कुरोसाका से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल में हार के बावजूद वह ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम करने में सफल रहे हैं। मीणा ने क्वार्टर फाइनल में शेरविन नुगुइट के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए एशियन गेम्स में सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला मेडल पक्का किया था। उस मैच में वे आखिरी गेम में पीछे चल रहे थे, लेकिन फिर वापसी करते हुए लगातार चार प्वाइंट जीते और क्वार्टर फाइनल 4-3 से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां वे कुरोसाका से हार गए और ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल के साथ अपना सफर खत्म किया। सॉफ्ट टेनिस में मीणा का सफर एक दिलचस्प संयोग से शुरू हुआ। शुरुआत में उनकी रुचि क्रिकेट में थी और वे क्रिकेटर बनना चाहते थे। मगर जब उन्होंने देवास के पायनियर पब्लिक स्कूल में दाखिला लिया, तो वहां बने सॉफ्ट टेनिस कोर्ट ने उनका ध्यान खींचा। पहले वे खिलाड़ियों को खेलते हुए देखते थे और बाद में बॉल बॉय के रूप में मदद करने लगे। धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी सॉफ्ट टेनिस में बढ़ी और उन्होंने खुद यह खेल खेलना शुरू कर दिया। स्कूल और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं से शुरुआत करने के बाद वे राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे।





'मीडिया और कलाकारों को संयम बरतने की जरूरत'



गायक मीका सिंह ने सुपरस्टार सलमान खान के उम्र और शरीर को लेकर होने वाली बेइज्जती के खिलाफ रुख का समर्थन करते हुए कहा कि मीडिया और कलाकारों दोनों को ही इस तरह की हरकतों के मामले में संयम बरतना चाहिए। सलमान ने हाल ही में 'बिग बॉस 20' के मंच पर इस मुद्दे को उठाया और अभिनेत्रियों की अनुचित कोणों से तस्वीरें खींचने के लिए पैपराजी की आलोचना की। उनकी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए मीका ने कहा कि वह हमेशा सलमान के साथ खड़े रहे हैं और उनकी चिंताओं से सहमत हैं। मीडिया से बात करते हुए गायक ने कहा, 'मैं हमेशा सलमान भाई का समर्थन करता हूं। उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की है, और मैं मीडिया से भी ऐसी हरकतें बंद करने का अनुरोध करूंगा। हालांकि, कुछ कलाकार ऐसे भी हैं जो चाहते हैं कि लोग उनके वीडियो बनाएं या तस्वीरें लें। इसलिए, इसमें दोनों पक्षों की सहमति जरूरी है; दोनों पक्षों को इस पर नियंत्रण रखना चाहिए। 'सलमान खान ने 'बिग बॉस 20 वीकेंड का वार' एपिसोड के दौरान उम्र, वजन, रूप-रंग, पारिवारिक पृष्ठभूमि, पेशेवर असफलताओं या मातृत्व के अनुभवों को लेकर लोगों को ट्रोल करने की प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई। 'टाइगर जिंदा है' अभिनेता ने पैपराजी को भी चेतावनी दी कि वे सेलेब्रिटीज की आपत्तिजनक या अनुचित तस्वीरें न खींचें।

'कुणाल खेमू की 'वाइब' में उर्फी जावेद का कैमियो, बोलीं-

बिना सोचे हां कर दिया

अभिनेत्री उर्फी जावेद ने कुणाल खेमू की फिल्म 'वाइब' में कैमियो रोल में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे कई समय से कुणाल खेमू की फिल्म में काम करना चाह रही थीं और अब उनकी यह ख्वाहिश पूरी हो गई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने दर्शकों से फिल्म देखने की न सिर्फ अपील कि बल्कि सभी दर्शकों को फिल्म से जुड़ी अपनी एक दिलचस्प कहानी भी बताई। उर्फी जावेद ने कहा, 'जब मैंने पहली बार फिल्म 'मड़गांव एक्सप्रेस' देखी थी, तो मेरे दिमाग में ख्याल आया था कि काश इसके सीक्वल में मुझे काम करने का मौका मिले, कुणाल खेमू कोई रोल दे दें, भले ही वो छोटा हो। फिल्म बहुत ही मजेदार थी। फिर कुछ समय बाद मुझे फिल्म 'वाइब' के लिए कॉल आता है कि कुणाल खेमू की फिल्म में कैमियो रोल करना है। अभिनेत्री ने बताया कि वे कुणाल खेमू के साथ काम करने के लिए इतने उतावली थी कि बिना कुछ जाने ही इस रोल के लिए हां कर दिया था। उन्होंने कहा, 'मुझे कुछ भी नहीं जानना है, क्या रोल है या फिर फिल्म की स्टोरी कैसी है मुझे बस यह फिल्म करनी है और मैं बिना सोचे समझे सेट पर पहुंच गई।



सर्दी में ही क्यों जागता है सिस्टम: दिल्ली के 80-85% प्रदूषण का स्रोत शहर के भीतर, वाहन सबसे बड़ा कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की खराब हवा के लिए केवल बाहरी स्रोतों को जिम्मेदार मानना सही तस्वीर नहीं है। सच यह है कि इसमें स्थानीय स्रोतों की भूमिका सर्वाधिक है। विशेषज्ञ दिल्ली के प्रदूषण में इसकी हिस्सेदारी 80 से 85 प्रतिशत तक मानते हैं।

पर्यावरण विशेषज्ञों ने भी स्वीकार किया है कि यह दिल्ली का अपना ही प्रदूषण है, जो साल भर यहां की हवा खराब रखता है। साथ ही साल भर प्रदूषण नियंत्रण के उपाय न होने से सर्दियों में विकराल रूप में नजर आता है।

आइआइटीएम पुणे की निर्णय सहयोग प्रणाली (डीएसएस) के आंकड़ों पर किए गए सीएसई विश्लेषण पर गौर करें तो भी यह प्रमाणित हो जाता है। इसके अनुसार स्थानीय स्रोतों में वाहनों की हिस्सेदारी सबसे अधिक 46 प्रतिशत रही, जबकि उद्योग 22 प्रतिशत के साथ दूसरे बड़े स्रोत रहे।

घरेलू स्रोत 11, निर्माण छह, कचरा जलाना चार और सड़क की धूल तीन प्रतिशत रही। इससे स्पष्ट है कि शहर के भीतर होने वाला उत्सर्जन हवा की गुणवत्ता सुधारने की बड़ी चुनौती है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के अध्ययन भी वाहन, उद्योग, निर्माण, सड़क की धूल, घरेलू ईंधन



और कचरा जलाने को प्रमुख स्थानीय स्रोतों में गिनाते हैं।

सभी नियम तात्कालिक, वर्ष भर के लिए कुछ नहीं: स्थानीय स्रोतों पर नियंत्रण के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) और डीपीसीसी की ओर से कहने के लिए अनेक उपाय लागू हैं। सीएक्यूएम ने 2026 में उद्योगों के कण उत्सर्जन के लिए अलग निर्देश जारी किए हैं।

निर्माण और विध्वंस गतिविधियों में धूल नियंत्रण तथा मलबे के प्रबंधन के लिए भी निर्देश जारी किया गया है। सड़क की धूल नियंत्रित करने के लिए यांत्रिक सड़क सफाई मशीनों के संचालन के मानक भी तय किए गए हैं।

वाहनों के मामले में सीएक्यूएम ने मई 2026 से वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) के बिना वाहनों में ईंधन भरने पर रोक लगाई है। साथ ही दिल्ली एवं एनसीआर में नए पंजीकृत तिपहिया वाहनों के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को अनिवार्य करने का निर्देश भी जारी किया गया है।

नया अध्ययन, नई उम्मीद

स्थानीय स्रोतों की सही हिस्सेदारी तय करने के लिए सीएक्यूएम ने 500म500 मीटर के ग्रिड स्तर पर उच्च-रिजोल्यूशन उत्सर्जन सूची और सोर्स अपार्शन्मेंट का नया ढांचा तैयार किया है। इसका उद्देश्य अलग-अलग अध्ययनों के आंकड़ों में मौजूद अंतर को कम कर एक समान वैज्ञानिक आधार तैयार करना है। यानी चुनौती अब नियम बनाने की ही नहीं, उनके सालभर प्रभावी क्रियान्वयन की भी है। ऐसे में वाहनों, उद्योग, निर्माण और धूल जैसे स्थानीय स्रोतों पर लगातार नियंत्रण के बिना हवा की गुणवत्ता में स्थायी सुधार मुश्किल रहेगा। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) अगस्त में 100 से नीचे था, लेकिन सितंबर आते- आते यह 170 के पार पहुंच चुका है, जबकि अभी तापमान में उल्लेखनीय गिरावट नहीं आई है। यह स्थिति संकेत देती है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या केवल सर्दियों तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसून के कुछ महीनों को छोड़कर पूरे वर्ष बनी रहती है।

ऐसे में प्रदूषण नियंत्रण की कार्रवाई केवल सर्दियों में तेज करने के बजाय पूरे साल चलने वाली कार्ययोजना के तहत होनी चाहिए। इस योजना को सही समय पर लागू करने के साथ उसकी नियमित निगरानी भी जरूरी है। सितंबर से ही यातायात जाम और वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। सभी निर्माण स्थलों की नियमित निगरानी होनी चाहिए। पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय कर पराली के समय पर निस्तारण की योजना प्रभावी ढंग से लागू करनी होगी, ताकि खुले में जलाने की घटनाओं को रोका जा सके। इसके लिए एक मजबूत और पूर्ण निगरानी तंत्र तैयार करना भी आवश्यक है, ताकि तय उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

डीपीसीसी की व्यवस्था में भी निर्माण स्थलों की धूल, उद्योग, वाहन, जनरेटर सेट और खुले में कचरा जलाने जैसे स्रोतों की निगरानी शामिल है। समिति के पास वास्तविक समय में प्रदूषण के स्रोतों की पहचान और पूर्वानुमान की व्यवस्था भी है।

लेकिन ये सभी नियम मुख्यतया सर्दियों के लिए हैं।

बिना पहचान शव का अंतिम संस्कार क्यों? युवराज मनचंदा केस में गुरुग्राम पुलिस पर भड़का कोर्ट; रिपोर्ट तलब



नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम में 31 वर्षीय रियल एस्टेट प्रोफेशनल युवराज सिंह मनचंदा की मौत और उनके शव की पहचान किए बिना अंतिम संस्कार किए जाने के मामले में दिल्ली की अदालत ने गुरुग्राम पुलिस के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने पुलिस की ओर से दाखिल जवाब को 'क्रिप्टिक' (अस्पष्ट और अधूरा) बताते हुए इसे पहले दिए गए आदेश का अनुपालन नहीं माना और गुरुग्राम के पुलिस अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत में पेश रिकॉर्ड और शिकायत के अनुसार, युवराज का शव 10 सितंबर को गुरुग्राम में हरियाणा पुलिस के एक नाले से बरामद हुआ था। परिवार का आरोप है कि उन्हें युवराज के शव के बरामद होने की जानकारी 16 सितंबर को दी गई जबकि 14 सितंबर को अंतिम संस्कार कर दिया गया। अदालत अब यह जानना चाहती है कि जब शव की पहचान नहीं हुई थी, तब उसकी पहचान की प्रक्रिया क्या अपनाई गई और उसे बिना पहचान के अंतिम संस्कार के लिए कैसे भेज दिया गया। युवराज के परिवार की ओर से अदालत में पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अमित प्रसाद, अधिवक्ता रजत जैन और निहारिका कुशवाहा ने पुलिस की कार्रवाई पर कई सवाल उठाए। उन्होंने दलील दी कि परिवार ने पुलिस से संपर्क करने पर कथित तौर पर उन्हें युवराज के शव से मिलते-जुलते व्यक्ति की तस्वीरें भेजी गई थीं। परिवार की ओर से यह भी सवाल उठाया गया कि शव की पहचान की प्रक्रिया पूरी तरह क्यों नहीं अपनाई गई।

दिल्ली में कॉलेज छात्रा के साथ छेड़खानी, बाइक सवार लोगों ने की अश्लील हरकतें; धक्का देकर हो गए फरार

नईदिल्ली, एजेंसी। लाडो सराय स्थित कार्यालय से देर रात स्कूटी से घर लौट रही 21 वर्षीय युवती का पंचशील पार्क मेट्रो स्टेशन के पास बाइक सवार दो युवकों ने पीछा किया और अश्लील टिप्पणियां कीं। इसके बाद उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी।

हादसे में युवती करीब 100 से 150 मीटर तक सड़क पर घिसटती चली गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। चिकित्सकों ने उसे प्लास्टिक सर्जरी की सलाह दी है। घटना 11 सितंबर की रात की है। युवती की शिकायत के आधार पर मंगलवार को हौजखास थाने में दो अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

पीछा कर अश्लील टिप्पणियां करने लगे: युवती के मुताबिक, वह लाडो सराय स्थित आर्ट फर्म में इंटर्नशिप करने के बाद कालकाजी स्थित घर लौट रही थी। पंचशील पार्क मेट्रो स्टेशन के पास बाइक सवार दोनों युवक उसके पीछे लग गए। इन युवकों ने उसका पीछा जारी रखा और उसके पास आकर अश्लील टिप्पणियां कीं। युवती ने शिकायत में बताया कि उसने स्कूटी आगे बढ़ाकर दोनों से बचने का प्रयास किया, लेकिन दोनों बाइक सवार उसके साथ चलते रहे।

टक्कर के बाद सड़क पर घिसटती रही: आरोप है कि दोनों युवकों ने बाइक से उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। इससे युवती स्कूटी से गिर गई और सड़क पर करीब 100 से 150 मीटर तक घिसटती चली गई। सड़क पर



पत्थर, गिट्टी और धूल होने के कारण उसके शरीर पर कई जगह गहरे कट आए और काफी खून बहा।

हादसे के बाद दोनों युवक बाइक लेकर मौके से फरार हो गए। सड़क पर घायल पड़ी युवती की राहगीरों ने मदद की और एंबुलेंस बुलाकर उसे अस्पताल पहुंचाया।

गंभीर चोटों के बाद प्लास्टिक सर्जरी: युवती को पहले साकेत स्थित मैक्स अस्पताल ले जाया गया। चोटों की गंभीरता को देखते हुए बाद में उसे नोएडा के मेदांता अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे प्लास्टिक सर्जरी कराने की सलाह दी।

वह ओखला के एक डिजाइन इंस्टीट्यूट में चौथे वर्ष की पढ़ाई कर रही है और लाडो सराय की आर्ट फर्म में इंटर्नशिप कर रही थी। चिकित्सकीय राय लेने के लिए वह कानपुर भी गई थी।

जापान में लूजिन तूफान: बस्तियां जलमग्न, 10 की मौत; मेक्सिको में चक्रवात पोलो के कारण बाढ़-भूस्खलन की चेतावनी

टोक्यो, एजेंसी। जापान में लूजिन तूफान का कहर मंगलवार को भी जारी रहा।?मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है और छह लोग लापता बताए जा रहे हैं।? टोक्यो के पास के कई क्षेत्रों में परिवहन और बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, मरने वाले और लापता होने वाले लोग कानागावा और चिबा प्रांतों के थे। तूफान से सबसे अधिक कानागावा व चिबा प्रांत प्रभावित है।?यहां कई बस्तियां जलमग्न हो गई तथा कई घर ध्वस्त हो गए। कई लोगों के मलबे में दबे होने की भी आशंका जताई जा रही है। दोनों प्रांतों के अधिकारियों ने लापता लोगों की तलाश के लिए जापान सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज से सहायता का अनुरोध किया है। मेक्सिको के प्रशांत तटीय इलाके में चक्रवाती तूफान पोलो ने विकराल रूप ले लिया है। अमेरिकी राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, पोलो अब सैफिर-सिम्पसन स्केल पर सबसे खतरनाक कैटेगरी-5 के तूफान में बदल चुका है। तूफान के केंद्र में हवाओं की रफ्तार लगभग 260 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई है, जिसके चलते तटीय इलाकों में जानलेवा बाढ़ और भूस्खलन का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, तूफान का मुख्य केंद्र अगले दो दिनों तक मेक्सिको के दक्षिण-पश्चिमी तट से थोड़ा दूर रहकर धीमी गति से आगे बढ़ेगा। हालांकि, एनएचसी ने चेतावनी दी है कि तट के इतने करीब होने की वजह से नुकसान की सटीक तीव्रता का अनुमान लगाना अभी जल्दबाजी होगी, क्योंकि हवाएं और तेज हो सकती हैं।

अमेरिका की प्राथमिकताएं क्या? ईरान में परमाणु से भारत के साथ ट्रेड डील तक, फारुकी ने बताई ट्रंप की सोच

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग के हिंदी और उर्दू प्रवक्ता बिलाल फारुकी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संबोधन पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अमेरिका की विदेश नीति की तीन प्रमुख प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया। फारुकी के अनुसार, ये प्राथमिकताएं विश्व में शांति स्थापित करना हैं। दूसरी प्राथमिकता समृद्धि सुनिश्चित करना है। तीसरी प्राथमिकता अपनी संप्रभुता की रक्षा करना है। अमेरिका अपनी संप्रभुता की सुरक्षा के लिए लगातार प्रतिबद्ध रहेगा। हालांकि, शांति को सबसे महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र बताया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यूएनजीए में अपने संबोधन में इस बात पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को अपने मूल उद्देश्य पर वापस लौटना चाहिए। इसका मतलब केवल बातचीत या बैठकें आयोजित करना नहीं है। संयुक्त राष्ट्र को केवल चर्चाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए। बल्कि, इसे ठोस समझौतों पर पहुंचना चाहिए। विशेष रूप से शांति समझौतों को



हासिल करना अत्यंत आवश्यक है। ऐसे शांति समझौते ही अंततः वैश्विक समृद्धि की ओर ले जा सकते हैं। ये वे तीन मुख्य प्राथमिकताएं हैं जिन्हें राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने भाषण में रेखांकित किया है। फारुकी ने बताया कि अमेरिका इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से काम करने को तैयार है। उन्होंने अमेरिका के दृष्टिकोण को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। ये प्राथमिकताएं वैश्विक स्थिरता और विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। अमेरिका इन प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईरान को लेकर अमेरिका का रुख क्या है?: बिलाल फारुकी ने ईरान के साथ चल रहे संघर्ष पर राष्ट्रपति ट्रंप की स्थिति को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के पहले दिन से ही ट्रंप का रुख बिल्कुल साफ रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार बनाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उसे ऐसे हथियार रखने की भी इजाजत नहीं मिलेगी। दूसरा, ईरान क्षेत्र में विभिन्न आतंकवादी समूहों को व्यापक समर्थन देता है। इनमें हमास, हिजबुल्लाह और हूती जैसे समूह शामिल हैं। ईरान द्वारा इन समूहों को दिया जाने वाला समर्थन पूरी तरह से बंद होना चाहिए। तीसरा, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग पर ईरान के हमलों के प्रयासों को भी तुरंत रोकना होगा। यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमेरिका इन सभी मुद्दों पर कड़ी निगरानी रख रहा है।